लोकमत समाचार

कृषि वानिकी से किसानों को मिलेगी नई दिशा

कार्यशाला में उपस्थित जबलपुर की डॉ. ननीता बेरी और वनिवभाग के अधिकारी.

लोकमत समाचार सेवा

अमरावती : अमरावती संभाग में किसानों की उन्नति हो सके और किसान कृषि क्षेत्र से अधिक आय प्राप्त कर सके. इसके लिए कृषि वानिकी मॉडल अपनाना होगा. कृषि वानिकी मॉडल रोजगार, आय, और पर्यावरण संरक्षण के लिए वरदान साबित होगा. यह प्रतिपादन उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर की वैज्ञानिक डॉ. ननीता बेरी ने किया. वे अमरावती के टाइगर प्रोजेक्ट कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में बोल रही थी. इस अवसर पर मुख्य वनसंरक्षक ज्योति बैनर्जी, मुख्यवनसंरक्षक जी. के. अनारसे, वनसंरक्षक चंद्रशेखरन बाला, सामाजिक वनीकरण के सहायक वनसंरक्षक नितीन गोंडाणे, आशीष कोकाटे सहित अमरावती संभाग के पांचों जिलों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे. डॉ. ननीता बेरी ने आगे कहा कि अनुपयोगी भूमि का सदपयोग किया जा सकता है. इससे लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा. पेड़ों को लगाने में रासायनिक खाद की आवश्यकता नहीं पड़ेगी. किसान फसल के साथ फलदार पेड़ लगा सकेंगे. इससे किसानों की आय भी बढ़ेगी. साथ ही सूखा और बाढ़ से भी निजात मिल सकती है.

किसान खेतों में पेड़ और सब्जियां भी लगा सकते हैं जैसे बबूल, शीशम, सागौन, सफेट सीरस के साथ मूली, गाजर, भिंडी, बरबटी, पालक, टमाटर, पालक, मक्का, हल्दी सहित अन्य लगा सकते है. सामाजिक वनीकरण विभाग की ओर से किसानों के लिए कृषि वानिकी मॉडल के संदर्भ मं मार्गदर्शन किया जाए. ताकि इससे उन्हें लाभ मिल सके. किसान बांस भी खेतों में लगा सकते है.

मुख्य बिंदु

एक जमीन पर एक साथ (फसल और वृक्ष) लगाने से बढ़ेगी उत्पादकता

फसलों की बुआई कब और कैसे करें, फसलों की सुरक्षा सहित अन्य जानकारी दी गई

बांस पर आधारित कृषि वानिकी से क्या फायदे हो सकते के बारे में मार्गदर्शन

Apna Vidarbha
Page No. 8 Mar 12, 2023
Powered by: erelego.com